श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

नई रेलवे
नया लद्दाख

(2014 - मई '21)

देश को गति रेल से
प्रगति भी रेल से

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते

प्रस्तावना

आशुतोष गंगल
महाप्रबंधक
उत्तर रेलवे

भारतीय रेल राष्ट्र की जीवन–रेखा और भारत की प्रगति तथा आर्थिक विकास की प्रेरक है। भारतीय रेल अपने ग्राहकों को आरामदायक, सुविधाजनक और किफायती परिवहन प्रणाली उपलब्ध करा रही है। भारतीय रेल की संरक्षा, गति सीमा में वृद्धि और दूर–दराज के क्षेत्रों से सम्पर्क स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित करने वाली अनेक बड़ी ढाँचागत परियोजनाएं प्रगति पर हैं। नई रेल लाइनें बिछाई जा रही हैं। दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य पूरी रफ्तार पर हैं। बेहतर और अधिक दक्षता परिणाम लाने के लिए नवीनतम तकनीक, डिजिटलाइजेशन और स्वदेशी उपायों को अपनाया जा रहा है। बेहतर मालभाड़ा व्यापार अवसर सृजित करने के लिए लॉंग–हॉल और पीसमील रेलगाड़ियों के परिचालन पर भी बल दिया जा रहा है।

रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी परिवहन क्षेत्र के इस बदलते परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार रखने में निष्ठा से जुटे हुए हैं। इस पुस्तिका का उद्देश्य पिछले कुछ समय से केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में चल रही महत्वपूर्ण गतिविधियों और मौजूदा परियोजनाओं को रेखांकित करना है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवंटित किया गया बजट राज्यवार न दर्शा कर परियोजना की लागत को प्रतिबिंबित करता है।

बिलासपुर – मनाली – लेह नई रेलवे लाइन का फाइनल लोकेशन सर्वे

प्रस्तावित बिलासपुर–मनाली–लेह ब्रॉडगेज रेलवे लाइन का लाइन डायाग्राम

लेह रेलवे स्टेशन के लिए प्रस्तावित स्थल

बिलासपुर – मनाली – लेह रेलवे लाइन

प्रस्तावित परियोजना

- कठिन और दुर्गम इलाकों से गुजरने वाली दुनिया की सबसे ऊँची रेल लाइनों में से एक
- चुनौतीपूर्ण भू–भाग और दुर्गम भूमि वाली रेल लाइन तथा विशेष रूप से इंजीनियरिंग चुनौतियों से भरी
- बड़ी संख्या में सुरंगों और पुलों से गुजरने की संभावना
- इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण– ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लाइन परियोजना से भी बड़ी और कठिन परियोजना

चुनौतियां

- **दुर्गम क्षेत्र**
  - पहाडियों की ऊँचाई 2,500 मी. से 4,600 मी. तक और पर्वत चोटियां 7,600 मी. से भी ज्यादा ऊँची
- **सीमित पहुंच**
  - लद्दाख से मुख्य भूमि को जोड़ने वाली सड़कें केवल गर्मियों के महीनों (मई–अक्टूबर) के दौरान ही खुली रहती हैं
  - सर्दियों के दौरान, भारी हिमपात के कारण दर्रों (जोजिला दर्रा, रोहतांग दर्रा, बड़ा–लाचा ला दर्रा, लाचुलंग ला दर्रा और तंगलांग ला दर्रा) के बंद हो जाने के कारण राजमार्ग 6 महीनों से अधिक समय तक बंद रहते हैं
- **प्रतिकूल मौसम**
  - इस क्षेत्र में कम वर्षा और लम्बी व बेहद कठिन सर्दियां होती हैं
  - दिसम्बर से मार्च के महीनों में तापमान शून्य से भी 30 डिग्री कम हो जाता है
  - ऊँचाई एवं वनस्पतियों की कमी के कारण ऑक्सीजन में कमी
  - टेक्टोनिक रूप से अस्थिर भूवैज्ञानिक संरचनाएं गंभीर भूकंपीय गतिविधियों से ग्रस्त है (क्षेत्र – IV और V)
  - इस क्षेत्र की अनोखी भू–मौसम स्थितियां एक बड़ी चुनौती हैं क्योंकि यहां भूकम्प, आकस्मिक बाढ़, बादल फटना, भू–स्खलन, हिमस्खलन और सूखा जैसी आपदाएं प्रायः आती रहती हैं

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

लेह तक प्रस्तावित रेल लाइन की महत्ता

- 2 अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की मौजूदगी के कारण सामरिक महत्व
- लद्दाख क्षेत्र के दूर–दराज वाले इलाकों को हर मौसम में कनेक्टिविटी उपलब्ध रहेगी
- आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि
- स्थानीय आबादी के लिए लाभप्रद
- दिल्ली और लेह के बीच यात्रा समय 40 घंटे से घटकर 20 घंटे अर्थात् आधा रह जायेगा
- आरामदायक और सुविधाजनक रेलयात्रा

पूरे हो चुके कार्य

- पहले चरण का फाइनल लोकेशन सर्वे
- फाइनल लोकेशन सर्वे कार्य के लिए ₹158 करोड़ की निधि स्वीकृत

महत्वपूर्ण बिंदु (स्टेशन)

- **मुख्य :** बिलासपुर, मण्डी, टांडी, देबरिंग, खारू और लेह
- **छोटे :** खोकसर, किलोंग, दारचा, पेतसियो, उपशी और शेषरथंग

दुर्गम भू–भाग

हाई पास

क्षेत्र का हवाई दृश्य

सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर

शिविर स्थल पर सर्वेक्षण टीम

भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS
सत्यमेव जयते
वंदे भारत
EXPRESS
ICF